लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

श्री जी.वी. मावलंकर को पुष्पांजलि अर्पित की गई

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 2020 : लोक सभा की महासचिव श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ; राज्य सभा के महासचिव श्री देश दीपक वर्मा; और सचिव, लोक सभा सचिवालय श्री उत्पल कुमार सिंह ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष , श्री जी.वी. मावलंकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित श्री जी.वी. मावलंकर के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भेंट की गई ।

एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी , गहन संसदीय अनुभव के धनी और संसदीय पद्धतियों तथा प्रक्रियाओं के ज्ञाता , श्री जी.वी. मावलंकर ने अपना विधायी जीवन 1937 में तत्कालीन बम्बई विधान सभा के लिए निर्वाचन और तदुपरांत विधान सभा अध्यक्ष हेतु चयन के साथ आरंभ किया । वह 1946 तक इस पद पर रहे । तत्पश्चात् श्री मावलंकर जनवरी 1946 में छठी केन्द्रीय विधान सभा के सदस्य तथा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए । वह 14-15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि तक केन्द्रीय विधान सभा के अध्यक्ष रहे और उन्होंने 17 नवम्बर , 1949 से संविधान सभा (विधायी) की अध्यक्षता की। 26 नवम्बर, 1949 को स्वतंत्र भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने के साथ ही श्री मावलंकर अंतरिम संसद के अध्यक्ष बने और प्रथम लोक सभा के गठन तक इस पद पर रहे । श्री मावलंकर 15 मई, 1952 को प्रथम लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए और 27 फरवरी, 1956 को अपने निधन तक इस पद पर रहे ।

FLORAL TRIBUTES PAID TO SHRI G.V. MAVALANKAR

New Delhi, 27 November 2020: Secretary-General of Lok Sabha Smt. Snehlata Shrivastava; Secretary-General of Rajya Sabha Shri Desh Deepak Verma; and Secretary, Lok Sabha Secretariat Shri Utpal Kumar Singh paid floral tributes at the portrait of former Lok Sabha Speaker, Shri G. V. Mavalankar, in the Central Hall of Parliament House, on his birth anniversary today.

A booklet containing the profile of Shri G.V. Mavalankar, brought out in Hindi and English by the Lok Sabha Secretariat, was presented to the dignitaries.

A veteran freedom fighter with rich parliamentary experience and commendable knowledge of parliamentary practices and procedures, Shri G.V. Mavalankar began his legislative career in 1937 in the then Bombay Legislative Assembly, where he was elected the Speaker. He remained in that Office till 1946. Later, Shri Mavalankar was elected member and the President of the Sixth Central Legislative Assembly in January 1946. He remained the Speaker of the Central Legislative Assembly till the mid-night of 14-15 August 1947 and presided over the Constituent Assembly (Legislative) from 17 November 1949. With the adoption of the Constitution of free India on 26 November 1949, Shri Mavalankar became the Speaker of the Provisional Parliament and continued in office till the First Lok Sabha was constituted. Shri Mavalankar was elected as the Speaker of the First Lok Sabha on 15 May 1952 and remained in Office till his demise on 27 February 1956.